

भारत सरकार  
जल शक्ति मंत्रालय  
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 4438  
जिसका उत्तर 27 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....

**नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत मल-जल शोधन संयंत्र की संस्थापना**

**4438. डॉ. राजकुमार सांगवान:**

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत हाल ही में बागपत में 14 एमएलडी क्षमता का मल-जल शोधन संयंत्र संस्थापित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और इसकी लागत, क्षमता और प्रचालनात्मक स्थिति क्या है;
- (ख) क्या उक्त संयंत्र को खुले गंदे नाले से बहने वाले अपशिष्ट जल को लेकर उसका शोधन करने के लिए डिजाइन किया गया है ताकि इसको गंगा नदी के जल में गिरने से रोका जाए और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और इस प्रयोजनार्थ कौन-कौन सी विशिष्ट योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं; और
- (ग) क्या उक्त संयंत्र की स्थापना से गंगा नदी के प्रदूषण स्तर में कमी आने और जल की गुणवत्ता में सुधार होने की आशा है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है और इसका क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है?

उत्तर

**जल शक्ति राज्य मंत्री**

**श्री राज भूषण चौधरी**

**(क) से (ग):** जी, हां। नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत, बागपत में 14 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) क्षमता का एक सीवेज उपचार संयंत्र और संबंधित कार्यों को 77.36 करोड़ रुपए की लागत पर मंजूरी दी गई है और यह जनवरी 2023 से चालू हो गया है। इस संयंत्र को क्षेत्र में चार प्रमुख नालों से अपशिष्ट जल को अवरुद्ध और उपचारित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे इसे यमुना नदी (गंगा नदी की मुख्य सहायक नदी) में बहने से रोका जा सके। इस परियोजना में, अगले 15 वर्षों के लिए प्रणाली की सर्वोत्तम कार्यक्षमता सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) योजना भी शामिल है।

\*\*\*\*\*